खबर संक्षेप

जन अभियान द्वारा 5 केन्द्रों में परीक्षा संबंधी किया गया उन्मुखीकरण

शहडोल। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे ने बताया कि शासकीय नेहरू महाविद्यालय बुढार में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत समाजकार्य स्नातक एव परास्नातक की संपर्क कक्षाओं में 5 केन्द्रों में परीक्षा संबंधी उन्मुखीकरण किया गया। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत में अपने अपने प्रयोगशाला ग्रामों में जल सरक्षण की गतिविधियां आयोजित करने हेतु निर्देशित किया गया। विदित हो समाजकार्य स्नातक,परास्नातक की परीक्षा दिनांक 11 जून से दो पालियों में आयोजित होंगी। इस अवसर जन अभियान परिषद केविकासखंड समन्वयक सहित मेंटर्स,छात्र उपस्थित रहें।

शहडोल की बेटी डॉ. दिव्या त्रिपाठी ने बढ़ाया मान

शहडोल। जिले के धनपुरी नगर के लिए गर्व का क्षण है। यहां के पूर्व नगर पंचायत सीएमओ रविकिरण त्रिपाठी की सुपुत्री, डॉ. दिव्या त्रिपाठी (मिनी) ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित मेडिकल ऑफिसर परीक्षा में शानदार सफलता अर्जित की है। डॉ. दिव्या ने पूरे प्रदेश की मेरिट सूची में 94वां स्थान प्राप्त कर न केवल अपने परिवार का, बल्कि समूचे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।

कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम- डॉ. दिव्या त्रिपाठी शुरू से ही मेधावी छात्रा रही हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति उनके समर्पण और कड़ी मेहनत का परिणाम है कि उन्होंने राज्य स्तर की इस प्रतिष्ठित परीक्षा में शीर्ष 100 में अपनी जगह बनाई। उनकी इस उपलब्धि से यह सिद्ध होता है कि स्पष्ट लक्ष्य और निरंतर प्रयास से किसी भी ऊंचे मुकाम को हासिल किया जा सकता है। चिकित्सा के क्षेत्र में शासकीय सेवा के माध्यम से जनसेवा करने का उनका सपना अब साकार होने जा रहा है।

नगर और परिवार में हर्ष की लहर जैसे ही लोक सेवा आयोग द्वारा परिणाम घोषित किए गए और डॉ. दिव्या की 94वीं रैंक की खबर धनपुरी पहुंची, नगर में हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया।

शुभकामनाओं का तांता- डॉ. दिव्या की इस विशेष उपलब्धि पर इष्ट-मित्रों, परिजनों और नगर के गणमान्य नागरिकों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। लोगों का मानना है कि डॉ. दिव्या एक कुशल चिकित्सक के रूप में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगी और समाज के वंचित वर्गों की सेवा को प्राथमिकता देंगी। डॉ. दिव्या त्रिपाठी (मिनी) के मेडिकल ऑफिसर के पद पर चयन होने पर हम उनके सुखद एवं यशस्वी भविष्य की मंगलकामना करते हैं।

खाकी और खादी के संरक्षण में वन्यजीव कानून तार-तार

बाघों के बेडरूम तक घुसे पर्यटक!

उमरिया।

विश्व विख्यात बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, जो बाघों के संरक्षण के लिए दुनिया भर में मिसाल माना जाता है, आज चंद रुपयों की चढ़ोत्तरी और अधिकारियों की शह पर सफारी माफिया का चारागाह बन चुका है। ताला जोन के अति-संवेदनशील कोर एरिया में जो कुछ भी हुआ, उसने न केवल पार्क प्रबंधन की कार्यप्रणाली की पोल खोल दी है, बल्कि यह भी साफ कर दिया है कि यहाँ नियम केवल आम आदमी के लिए हैं; रसूखदारों और मोटी रकम फेंकने वाले पर्यटकों के लिए बांधवगढ़ की सरहदें और कानून कोई मायने नहीं रखते।

हरिभूमि

शहडोल, उमरिया, अनूपपुर-आसपास हरिभूमि 6

ताला जोन के प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसे रसूखदारों के वाहन

घोड़ा डेमन बाघ की निजता भंग, नियमों की धज्जियाँ उड़ीं

खाई के किनारे मौत का खेल

हैरानी की बात तो यह है कि कुछ मनचाहे गाइडों ने पर्यटकों को खुश करने के चक्कर में वाहनों को पहाड़ी के उस दुर्गम छोर तक पहुंचा दिया, जहां सामने गहरी खाई थी। यह मार्ग पर्यटन नक्शे से बाहर है। अगर यहां कोई हादसा हो जाता, तो क्या पार्क प्रबंधन इसकी जिम्मेदारी लेता, बाघों की सुरक्षा तो दूर, यहां इंसानी जान को भी जोखिम में डालकर वाइल्ड लाइफ टूरिज्म के नाम पर खेल किया गया।

बाघ के विश्राम स्थल तक अवैध घुसपैठ

बीती 11 अप्रैल की सुबह, जब जंगल अपनी प्राकृतिक शांति में था, तब ताला जोन में प्रवेश करने वाले 37 वाहनों के दल में से कुछ शिकारी मानसिकता वाले पर्यटकों ने मर्यादा की सारी हदें पार कर दीं। बेहतर फोटोग्राफी और क्लोज-अप शॉट की हवस में, गाइडों और चालकों की मिलीभगत से कई वाहन प्रतिबंधित रूटों को तोड़ते हुए घोड़ा डेमन नामक बाघ के विश्राम स्थल तक जा धमके। यह वह क्षेत्र है जहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता, लेकिन यहां सैलानियों की गाडिय़ां बाघ की निजता भंग करती रहीं।

सबूत मिटाने की साजिश

इस पूरे मामले में सबसे घिनौना पहलू अब सामने आ रहा है। सूत्रों का दावा है कि नियम तोडऩे वाले सभी वाहनों की पहचान कर ली गई है, लेकिन कार्रवाई करने के बजाय लेन-देन का बाजार गर्म है। चर्चा है कि बीटीआर के मुखिया से लेकर प्रदेश मुख्यालय तक के नाम की दुहाई देकर नीचे से ऊपर तक चढ़ावा पहुंचाया गया है। सबसे गंभीर आरोप तो यह है कि बघीरा जीपीएस डेटा के साथ छेड़छाड़ की जा रही है, ताकि अवैध रूप से भटके हुए वाहनों के डिजिटल फुटप्रिंट्स मिटाए जा सकें। यह सीधे तौर पर राजकीय अपराध की श्रेणी में आता है।

क्या पीसीसीएफ लेंगे संज्ञान

प्रतिबंधित रूट पर वाहन ले जाने वाले गाइडों और ड्राइवरों के लाइसेंस अब तक निरस्त क्यों नहीं हुए, जीपीएस डेटा में छेड़छाड़ की खबरों के बीच, क्या किसी स्वतंत्र एजेंसी से इसकी जांच कराई जाएगी, क्या बांधवगढ़ का प्रबंधन अब केवल रसूखदार फोटोग्राफरों और टिप देने वाले पर्यटकों की जागीर बनकर रह गया है। बांधवगढ़ की ये तस्वीरें और वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हैं, जो प्रबंधन के गाल पर तमाचा मार रहे हैं। यदि समय रहते इन सफेदपोश शिकारियों और भ्रष्ट अफसरों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वह दिन दूर नहीं जब बांधवगढ़ सिर्फ पर्यटन का अड्डा बनकर रह जाएगा और बाघ केवल इतिहास के पन्नों में मिलेंगे। कलेक्टर और वन विभाग के आला अधिकारी इस महापाप पर आखिर मौन क्यों हैं?

निगरानी तंत्र फेल या जानबूझकर बंद आंखें

क्या यह मुमकिन है कि कोर जोन के प्रतिबंधित क्षेत्र में गाडिय़ां घुस जाएं और गश्ती दल या कंट्रोल रूम को भनक तक न लगे? वन्यजीव प्रेमियों का आरोप है कि यह चूक नहीं, बल्कि एक सुनियोजित भ्रष्टाचार है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं और ऊपर तक हिस्सा पहुंचने की गारंटी हो, तो बाघों की सुरक्षा केवल कागजों तक सीमित रह जाती है।

शहडोल में हिट एंड रन का तांडव

भाजपा नेता समेत दो की मौत

गुस्से में उबला ब्यौहारी, हाईवे पर लगा भीषण चक्काजाम

शहडोल।

जिले की सडक़ों पर हिट एंड रन का खूनी खेल रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के जोरा पुल के पास बीती रात एक बेकाबू रफ्तार वाहन ने भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष समेत दो होनहार युवकों की जीवनलीला समाप्त कर दी। इस दोहरी मौत ने पूरे क्षेत्र के सब्र का बांध तोड़ दिया है। घटना के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों ने टिहकी के पास मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया, जिससे शहडोल-रीवा हाईवे घंटों तक बंधक बना रहा।

शादी की खुशियां मातम में बदली

ग्राम टिहकी निवासी राहुल द्विवेदी भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष और उनके अभिन्न मित्र अतुल तिवारी एक विवाह समारोह में शामिल होकर वापस घर लौट रहे थे। जोरा पुल के समीप काल बनकर आए एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक को ऐसी टक्कर मारी कि दोनों युवक हवा में कई फीट उछलकर सडक़ पर जा गिरे। टक्कर इतनी भयावह थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

कातिल को लाओ फिर जाम खुलेगा

हादसे की खबर जैसे ही टिहकी पहुंची, मातम चीख-पुकार और भारी गुस्से में बदल गया। पुलिस की कार्यप्रणाली से नाराज सैकड़ों ग्रामीण सडक़ पर उतर आए। ग्रामीणों ने शवों के साथ हाईवे पर मोर्चा खोल दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि घटना के डेढ़ घंटे बाद तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची, जिससे आरोपी चालक को भागने का पूरा मौका मिल गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हत्यारे वाहन और उसके चालक को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। ब्यौहारी क्षेत्र में बेलगाम दौड़ते भारी वाहनों पर नकेल कसी जाए। मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा मिले।

पुलिस की गश्त पर सवालिया निशान

जिले में कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ रही हैं। महज 24 घंटे के भीतर यह हिट एंड रन की दूसरी बड़ी वारदात है। गौरतलब है कि एक दिन पूर्व ही बुढ़ार में एक अज्ञात ट्रेलर ने कुलपति के ड्राइवर को बेरहमी से कुचल दिया था। बार-बार हो रही इन वारदातों ने साबित कर दिया है कि पुलिस का खौफ खत्म हो चुका है। तेज रफ्तार वाहन यमदूत बनकर दौड़ रहे हैं और खाकी केवल औपचारिकता पूरी करने में जुटी है। पुलिस अब जोरा पुल के आस-पास के ढाबों और दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि कातिल वाहन की पहचान हो सके।

वाहनों की लगी मील लंबी कतारें

चक्काजाम के कारण हाईवे के दोनों ओर ट्रकों और बसों की लंबी कतारें लग गईं। मौके पर तनाव इस कदर था कि पुलिस बल को भीड़ को समझाने में पसीने छूट गए। ग्रामीण नारेबाजी करते हुए प्रशासन से पूछ रहे हैं कि क्या जिले की सडक़ें कत्लगाह बन चुकी हैं? भाजपा नेता राहुल द्विवेदी और अतुल तिवारी की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आधी रात को भी पूरा गांव सडक़ पर डटा रहा।

इनका कहना है...

सडक़ हादसे में दो युवकों की मौत हुई है। मामले में वैधानिक कार्रवाई करते हुए जांच की जा रही है।

जियाउल हक
थाना प्रभारी, ब्यौहारी

सामतपुर केंद्र पर अव्यवस्था देख भड़के कलेक्टर

शहडोल। जिले में गेहूं उपार्जन के नाम पर बरती जा रही लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जब सामतपुर उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया, तो वहां पसरी अव्यवस्थाएं देख उनका पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। कलेक्टर ने मौके पर ही समिति प्रबंधक की क्लास लगा दी और दो टूक चेतावनी दी कि अगर बारिश में एक दाना भी गेहूं भीगा, तो सीधी कार्यवाही के लिए तैयार रहें।

परिवहन में सुस्ती पर तरेरी आंखें- निरीक्षण के दौरान खरीदी केंद्रों पर गेहूं के अंबार और धीमी उठान को देखकर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने परिवहन कर्ता को गाडिय़ों की संख्या बढ़ाने और रात में भी उठाव कार्य जारी रखने के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने साफ किया कि उपार्जन केंद्रों से अनाज का समय पर उठाव प्राथमिकता है, इसमें किसी भी स्तर पर लेट-लतीफी बर्दाश्त नहीं होगी।

कुप्रबंधन पर गिरी गाज, सुरक्षा के सख्त निर्देश- आगामी बारिश को देखते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में तिरपाल और पन्नियों का इंतजाम तुरंत किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों के खून-पसीने की कमाई को खराब होने देना अपराध है। साथ ही, उन्होंने गुणवत्ता के मापदंडों पर किसी भी तरह का समझौता न करने और तौल-कांटों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

23 मई तक स्लॉट बुकिंग की अपील- कलेक्टर ने केंद्र पर मौजूद किसानों से भी सीधा संवाद किया। उन्होंने किसानों को समझाया कि वे 23 मई तक अनिवार्य रूप से स्लॉट बुक कर लें। स्लॉट बुकिंग में आ रही तकनीकी खामियों पर उन्होंने आश्वासन दिया कि तकनीकी टीम निरंतर कार्य कर रही है, किसी भी किसान को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। कलेक्टर ने कड़े लहजे में कहा कि किसानों के लिए पीने का पानी, बैठने के लिए छाया और बारदाने की कमी नहीं होनी चाहिए। यदि किसी भी केंद्र पर पारदर्शिता में कमी या भ्रष्टाचार की शिकायत मिली, तो संबंधित अधिकारियों पर गाज गिरना तय है।

उप-डाकपाल की मनमानी और कमीशनखोरी से अभिकर्ता त्रस्त

अधीक्षक से हुई शिकायत

शहडोल।

भारत सरकार के राजस्व को बढ़ाने वाले कंधे ही आज सिस्टम की सड़ांध से झुक रहे हैं। जिले के ब्योहारी उप-डाकघर में पदस्थ उप-डाकपाल उमेश पटेल पर भ्रष्टाचार, भेदभाव और खुली घूसखोरी के गंभीर आरोप लगे हैं। अभिकर्ताओं ने मोर्चा खोलते हुए डाकघर अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह बघेल को लिखित शिकायत सौंपकर इस कमीशनराज का कच्चा चि_ा खोल दिया है।

प्रति लाट 50 रुपये दो, वरना नियम का डंडा सहो

शिकायत में अभिकर्ताओं ने सनसनीखेज खुलासा किया है कि वर्ष 2025 में पदभार ग्रहण करने के बाद से ही उप-डाकपाल उमेश पटेल ने घूसखोरी को ही कार्यप्रणाली बना लिया है। आरोप है कि आर.डी. लाट जमा करने के एवज में प्रति लाट 50 रुपये के कमीशन की मांग की जाती है। जो एजेंट सुविधा शुल्क देने में असमर्थ हैं, उन पर नियमों का भारी-भरकम बोझ लादकर काम अटका दिया जाता है, जबकि जेब गर्म करने वाले चहेते एजेंटों के लिए नियम-कानून ताक पर रखकर उनके काम को प्राथमिकता दी जाती है।

सिटीजन चार्टर की धज्जियां

आम जनता की मेहनत की कमाई पर भी यहां के कारिंदों की कुदृष्टि है। अभिकर्ताओं का आरोप है कि आर.डी. क्लोजर के भुगतान के लिए जमाकर्ताओं को महीनों तक कार्यालय के चक्कर लगवाए जाते हैं। रिकॉर्ड जमा करने के बाद पावती तक नहीं दी जाती, जो सीधे तौर पर सिटीजन चार्टर का उल्लंघन है। पिछले 11 महीनों से पासबुक तक प्रिंट नहीं की गई है, जिससे अभिकर्ता और जनता दोनों ही अधर में लटके हुए हैं।

बाहरी तत्वों का डाकघर के भीतर कब्जा

सबसे चौंकाने वाला आरोप कार्यालय की गोपनीयता को लेकर है। शिकायत के अनुसार, अभिकर्ता उर्मिला राठौर के देवर उमाकांत राठौर, जिनके पास कोई आधिकारिक एजेंसी नहीं है, वे दिनभर कार्यालय के भीतर बैठकर विभागीय कार्य में हस्तक्षेप करते हैं। मिलीभगत ऐसी है कि टीडी, एमआईएस, एनएससी और केवीपी जैसी योजनाओं में अवैध रूप से एजेंट की सील लगाकर कमीशन डकारा जा रहा है। यह सीधे तौर पर सरकारी खजाने की लूट और पद का दुरुपयोग है।

रसूखदारों और रसूख वाली महिलाओं का दबदबा

शिकायत में यह भी उल्लेख है कि विभाग के नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए कुछ ऐसे लोग एजेंसी चला रहे हैं जो पूर्णतः अपात्र हैं। आरोप है कि अभिकर्ता सुनीता बाई पटेल और सरोज शुक्ला के पति स्वयं विभागीय कर्मचारी होते हुए अपनी पत्नियों के नाम से एजेंसी संचालित कर रहे थे। कुछ महिला अभिकर्ताओं के पति सरकारी नौकरी में होने के बावजूद, उप-डाकपाल की सांठगांठ से मनमानी कर रहे हैं। पोस्ट ऑफिस के पास ही तथाकथित एजेंटों ने कार्यालय खोल रखे हैं, जहां से निवेशकों को भडक़ाने का काम किया जा रहा है, लेकिन अधिकारी मौन हैं।

ईमानदार एजेंटों का जीना मुहाल

जो अभिकर्ता ईमानदारी से कलेक्शन कर राजस्व बढ़ा रहे हैं, उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। उप-डाकपाल उमेश पटेल पर दुर्व्यवहार और प्रताडऩा का आरोप लगाते हुए एजेंटों ने कहा है कि अब इस माहौल में काम कर पाना उनके लिए असंभव हो गया है। डाकघर अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह बघेल को सौंपी गई इस शिकायत के बाद विभाग में हडक़ंप मचा हुआ है। अभिकर्ताओं ने स्पष्ट शब्दों में उच्चस्तरीय जांच और दोषी उप-डाकपाल के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की है। सवाल यह उठता है कि क्या डाक विभाग के आला अधिकारी अपने ही विभाग में पनप रहे इस कमीशनखोरी के कैंसर का इलाज करेंगे या फिर भ्रष्टाचार की यह फाइल भी ठंडे बस्ते के हवाले कर दी जाएगी?

नेशनल लोक अदालत में 1624 मामलों का ऑन द स्पॉट फैसला

सुलह की मेज पर निपटे बरसों के विवाद

शहडोल।

अदालती चक्करों, तारीखों के बोझ और बरसों पुरानी रंजिशों को खत्म करने के लिए शनिवार को शहडोल जिले में न्याय का महापर्व मनाया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर आयोजित साल की दूसरी नेशनल लोक अदालत में सुलह-समझौते की ऐसी बयार चली कि देखते ही देखते 1624 प्रकरणों का हमेशा के लिए पटाक्षेप हो गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश काशीनाथ सिंह के मार्गदर्शन में जिले भर की 22 खंडपीठों ने न्याय की नई इबारत लिखी।

मां सरस्वती के पूजन से न्याय का आगाज़

लोक अदालत का औपचारिक शुभारंभ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में विशेष न्यायाधीश श्रीमती दिपाली शर्मा द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के मुख्य न्यायाधीश महोदय भी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे। अदालत परिसर में सुबह से ही पक्षकारों की भारी भीड़ जुटी, जो अपने विवादों को आपसी सहमति से खत्म करने के संकल्प के साथ आए थे।

22 खंडपीठों ने सुनाया फैसला

लोक अदालत को सफल बनाने के लिए जिला न्यायालय शहडोल में 12, ब्यौहारी में 4, बुढ़ार में 4 और जयसिंहनगर में 2 खंडपीठों का गठन किया गया था। दिनभर चली मैराथन सुनवाई के बाद 269 लंबित प्रकरणों और 1355 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस दौरान कुल 2,95,35,044 रुपये की राशि का अवार्ड पारित कर पक्षकारों को राहत दी गई।

टूटे परिवार जुड़े, विवादों से मिली मुक्ति

विशेष न्यायाधीश श्रीमती दिपाली शर्मा ने लोक अदालत के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि राजीनामा वह प्रक्रिया है जिसमें दोनों पक्षों की जीत होती है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल अपील की गुंजाइश खत्म होती है, बल्कि वाद शुल्क की वापसी भी हो जाती है। सबसे सुखद पहलू वैवाहिक विवादों का रहा, जहां 13 परिवारों को टूटने से बचा लिया गया। इसके अलावा मोटर दुर्घटना के 22, चेक बाउंस के 24 और विद्युत विभाग के 41 मामलों का निपटारा किया गया।

व्यवस्थाओं का रहा पुख्ता इंतजाम

परिसर में नगरपालिका, विद्युत विभाग, राष्ट्रीयकृत बैंकों और बीएसएनएल के विशेष स्टॉल लगाए गए थे, ताकि लोग अपने बिलों और लोन संबंधी मामलों का तुरंत निपटारा कर सकें। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय शशिभूषण शर्मा, जिला न्यायाधीश कमलेश कुमार कोल, कृष्णपाल सिंह, विवेक शर्मा सहित सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती स्वेता परते तिवारी व अन्य न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता और कर्मचारी मुस्तैद रहे।

न हार, न जीत—सिर्फ न्याय

इस सफल आयोजन ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यदि पक्षकार मन में सुलह की ठान लें, तो सालों की कड़वाहट मिनटों में खत्म हो सकती है। 1624 परिवारों के लिए यह लोक अदालत खुशियां लेकर आई, जिससे उनके माथे से मुकदमेबाजी का कलंक हमेशा के लिए धुल गया।

खबर संक्षेप

पूर्व सांसद स्व. राजेश नंदिनी सिंह की पुण्यतिथि को दी गई श्रद्धांजलि

शहडोल। शहडोल संसदीय क्षेत्र की पूर्व सांसद और सादगी की प्रतिमूर्ति स्वर्गीय श्रीमती राजेश नंदिनी सिंह की पुण्यतिथि पर समूचे अंचल ने उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। शुक्रवार, 8 मई को उनकी स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में क्षेत्र के दिग्गज जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने उनके निज निवास राजेंद्रग्राम पहुंचकर पुष्प अर्पित किए। 23 मार्च 1957 को जन्मी स्व. राजेश नंदिनी सिंह का जीवन संघर्ष और सेवा की मिसाल रहा। वर्ष 1984 में स्व. दलवीर सिंह जी से विवाह के बाद उन्होंने राजनीति को सत्ता नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम बनाया। 1992 में कोतमा विधायक और 2009 में शहडोल सांसद के रूप में उन्होंने विकास की जो इबारत लिखी, वह आज भी क्षेत्र के लिए मील का पत्थर है।श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में जिला सांसद प्रतिनिधि प्रकाश जगवानी, पूर्व भाजपा जिला मंत्री प्रकाश नारायण शुक्ला, पूर्व मण्डल अध्यक्ष रामनारायण पांडेय, पार्षद सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल रहे। वक्ताओं ने कहा कि सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह अपनी माता जी के पदचिन्हों पर चलते हुए जनसेवा के उसी संकल्प को आगे बढ़ा रही हैं। वक्ताओं ने रेखांकित किया कि स्व. राजेश नंदिनी सिंह का सरल स्वभाव और हर वर्ग के लिए उपलब्धता उन्हें एक राजनेता से ऊपर उठाकर जनप्रिय नेत्री की श्रेणी में खड़ा करती है। उनकी पुण्यतिथि पर राजेंद्रग्राम से लेकर शहडोल तक उनके स्नेह और योगदान को भावपूर्ण तरीके से स्मरण किया गया।

अग्नि सुरक्षा का दिया गया प्रशिक्षण

उमरिया। सिविल सर्जन डॉ.के.सी.सोनी कि उपस्थिति में फायर सेफ्टी सप्ताह के अंतर्गत डॉ. संदीप सिंह नोडल क्वालिटी के द्वारा जिला चिकित्सालय उमरिया में कार्यरत स्टाफ को अग्नि सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के पश्चात मॉक ड्रिल कार्यक्रम आयोजित किया गया, प्रशिक्षण के दौरान फायर एक्सटिंग्विशर के संचालन की विधि पास एंड रेस , आग लगने की स्थिति में बचाव कर अग्निशमन यंत्रों की सही उपयोग आपातकालीन निकासी प्रक्रिया त्वरित सुरक्षा की जानकारी दी गई । साथ ही मॉक ड्रिल के माध्यम से उपस्थित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को आपदा की स्थिति में सुरक्षित एवं त्वरित कार्यवाही का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया कार्यक्रम का उद्देश्य अस्पताल परिसर में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावित प्रक्रिया सुनिश्चित करना रहा है, इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी नर्सिंग अधिकारी ग्रुप डी सुरक्षा गार्ड एवं अस्पताल स्टाफ एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे ।

नाबालिग बालिका की २४ घंटे में दस्तेयाबी

बिजुरी। पुलिस मुख्यालय द्वारा नाबालिग गुम इंसान बालक बालिकाओ की दस्तयाबी करने हेतु त्वरित कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया है जिसके अनुपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जगन्नाथ मरकाम एवं एस. डी.ओ.पी. कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में बिजुरी पुलिस द्वारा 10 मई को गुम शुदा नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर उसके परिजनो को सुपुर्द किया गया। 08 मई को फरियादिया अपनी बहू एवं समधी के थाना उपस्थित आकर जुवानी रिपोर्ट लेख कराई कि मेरी नातिन जिसकी जन्मतिथि 24 जनवरी 2012 है कक्षा 6 वीं तक पढी लिखी है तथा एक वर्ष से उसका दिमागी संतुलन ठीक नही है 07 मई के शाम 06.00 बजे घर के पीछे बाडी तरफ से बिना बताए कही चली गई है मेरी नाबालिक नातिन को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसला कर अपने साथ कही भगा ले गया है फरियादिया की रिपोर्ट पर अपराध क्र. 179/2026 धारा 137 (2) बीएनएस का कायम कर अनुसंधान में लिया गया। नाबालिग की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के चलते उसके साथ अप्रिय घटना संभावित थी इसलिए तुरंत पुलिस टीम बनाकर उसके जाने के संभावित स्थानों में सघन चेकिंग अभियान चलाकर की गई जो अपहृत नाबालिग बालिका को 09 मई को अनूपपुर से दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया गया।

रामपुर बटुरा के किसानों ने फूंका संघर्ष का शंखनाद

अब शोषण के खिलाफ सड़क पर संग्राम

शहडोल।

क्षेत्र में वर्षों से शांत पड़ा असंतोष अब ज्वालामुखी बनकर फूटने को तैयार है। एसईसीएल और निजी कंपनियों की तानाशाही, स्थानीय बेरोजगारों की उपेक्षा और प्राकृतिक संसाधनों की लूट के खिलाफ रामपुर बटुरा खदान परियोजना से प्रभावित किसानों और ग्रामीणों ने निर्णायक लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। ग्राम पंचायत खाड़ा में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व एसडीएम के निवास पर आयोजित एक महापंचायत में 12 ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है—अब न रुकेंगे, न झुकेंगे, हक के लिए लड़ेंगे।

कंपनियों का चौतरफा हमला

बैठक के मुख्य सूत्रधार और प्रखर सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने अपने संबोधन में तीखे प्रहार करते हुए कहा कि क्षेत्र को विकास के नाम पर विनाश की ओर धकेला जा रहा है। उन्होंने जय अंबे कंपनी, ढोलू कंस्ट्रक्शन, मोजर बेयर, टोरंट, रिलायंस और अडानी जैसी कंपनियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इन कंपनियों ने एक साथ समूचे क्षेत्र पर हमला बोल दिया है। हमारी माटी का बेशकीमती खजाना (कोयला और खनिज) बाहर भेजा जा रहा है, जबकि यहां का स्थानीय युवा बेरोजगारी का दंश झेलते हुए पलायन को मजबूर है। बाहर के लोग यहां आकर चांदी काट रहे हैं और भूमिपुत्र अपने ही घर में दर-दर भटक रहा है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता कोयला

भूपेश शर्मा ने एक सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा कि रामपुर खुली खदान परियोजना से निकलने वाला नंबर एक क्वालिटी का कोयला जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से दो नंबर के रास्ते खपाया जा रहा है। यह सीधे तौर पर भारत सरकार के राजस्व की चोरी और राष्ट्रीय क्षति है। उन्होंने साफ किया कि अब इस काले कारोबार और अवैध उत्खनन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हर एक पत्थर का हिसाब लिया जाएगा।

श्रमिकों का दमन और वन्यजीवों का आतंक

बैठक में ओरिएंट पेपर मिल और सोडा फैक्ट्री के प्रबंधन द्वारा श्रमिकों के साथ किए जा रहे अन्याय पर भी गहरा रोष व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि एक ओर कंपनियां शोषण कर रही हैं, तो दूसरी ओर वन विभाग की नाकामी के चलते हाथी और भालू जैसे वन्यजीव रिहायशी इलाकों में आतंक मचा रहे हैं। निर्दोष ग्रामीण जान गंवा रहे हैं, लेकिन प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोया है। सिंचाई सुविधाओं का अभाव और गहराता पेयजल संकट किसानों की कमर तोड़ रहा है।

17 मई को जुटेगा जनसैलाब

संघर्ष की अगली रूपरेखा तय कर दी गई है। कल से ही क्षेत्र के गांव-गांव में जन-जागरण अभियान चलाकर वातावरण तैयार किया जाएगा। इसके बाद 17 मई को एक विशाल महासम्मेलन होगा, जिसमें हजारों की संख्या में किसान और ग्रामीण अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगे। यह लड़ाई केवल एक खदान या एक पंचायत की नहीं, बल्कि पूरे संभाग में हो रहे अन्याय, शोषण और दमन के खिलाफ एक लोक युद्ध है।

दिग्गजों ने भरी हुंकार

इस ऐतिहासिक बैठक में क्षेत्र के तमाम कद्दावर नेता और जागरूक नागरिक एक मंच पर नजर आए। जिनमें मुख्य रूप से रमेश सिंह वरिष्ठ नेता एवं पूर्व एसडीएम, श्रीमती शांति मनमोहन चौधरी जिला पंचायत सदस्य, चंद्र कुमार तिवारी सभापति, वन समिति, भूपेश शर्मा प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता, राजकमल मिश्रा सांसद प्रतिनिधि, आदित्य त्रिपाठी एवं ओमप्रकाश द्विवेदी किसान नेता साथ ही 12 पंचायतों के सरपंच, उप सरपंच और सैकड़ों ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि यदि प्रशासन और प्रबंधन ने समय रहते मांगों का निराकरण नहीं किया, तो पूरा क्षेत्र ठप कर दिया जाएगा।

इन पंचायतों में सुलगी विद्रोह की चिंगारी

रामपुर, अतरिया, बिछिया, पड़रिया, बैरिया, खाड़ा, बटुरा, चाका, पोड़ी, बकेली, बकहो और बकही के जन प्रतिनिधियों ने स्पष्ट कर दिया है कि अब वार्ता का समय बीत चुका है, अब केवल समाधान होगा या फिर संग्राम। क्षेत्र की संपदा लूटने वाले और स्थानीय आदिवासियों का हक मारने वाले अब सावधान हो जाएं। यह लड़ाई अब सडक़ों पर लड़ी जाएगी।

संयुक्त निदेशक, सहायक निदेशक जनगणना निदेशालय ने किया उमरिया में मकानसूचीकरण के कार्यों का किया अवलोकन

उमरिया।

जय शदादपुरी संयुक्त निदेशक जनगणना निदेशालय भोपाल एवं आशीष श्रीवास्तव सहायक निदेशक जनगणना निदेशालय द्वारा तहसील बांधवगढ एवं उमरिया शहर के जयस्तंभ क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान जिले में संचालित जनगणना अंतर्गत मकान सूचीकरण कार्य का औचक निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान जनगणना कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं शुद्धता का अवलोकन करते हुए कार्य को निर्धारित समय-सीमा में प्रभावी रूप से पूर्ण करने हेतु आवश्यक सुधारात्मक एवं मार्गदर्शी निर्देश दिए गए। अधिकारियों द्वारा फील्ड स्तर पर कार्य की सतत मॉनिटरिंग, डेटा की शुद्धता तथा प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों के मध्य समन्वय बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया।

निरीक्षण उपरांत अधिकारियों द्वारा जिले में संचालित जनगणना एवं मकान सूचीकरण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता की सराहना की गई तथा मैदानी अमले द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए इसी प्रकार सतत एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। अधिकारियों द्वारा जनगणना कार्य में संलग्न मैदानी अमले को पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य संपादित करने हेतु प्रेरित किया गया तथा आवश्यक तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

इस अवसर पर चंदवार निरीक्षण के दौरान बांधवगढ़ चार्ज अधिकारी दिलीप सोनी, उमरिया चार्ज अधिकारी किशन सिंह, संबंधित सुपरवाइजर एवं प्रगणक उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला उमरिया के जनगणना नोडल अधिकारी प्रत्युष श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

रक्सा के जुगाड़ तंत्र ने विकास को बनाया बंधक

नारी शक्ति के नाम पर मलाई काट रहा पुरुष राज

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा रपटा निर्माण, जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी

मानपुर।

प्रदेश की मोहन सरकार सूबे के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की पुकार सुनने और भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का दम भरती है, लेकिन मानपुर जनपद की ग्राम पंचायत रक्सा में यह सुशासन केवल ढपोलशंख साबित हो रहा है। यहां के सरकारी कारिंदों और रसूखदार जनप्रतिनिधियों ने मिलकर भ्रष्टाचार की ऐसी इबारत लिखी है, जिसे देखकर न्याय का सिंहासन डोल जाए। ताजा मामला ग्राम रक्सा के झतवा टोला का है, जहां 15 लाख रुपये की लागत वाला स्टाप डैम सह रपटा निर्माण के नाम पर सरकारी खजाने में ऐसी सेंध लगाई गई है कि विकास कम और विनाश ज्यादा नजर आ रहा है।

मजदूरों के पेट पर डाका, मशीनों से बहा पसीना

सरकार की मंशा है कि गांव के मजदूरों को बाहर न जाना पड़े, इसलिए मनरेगा और अन्य योजनाओं के तहत रोजगार की गारंटी दी जाती है, लेकिन रक्सा पंचायत में नियम-कायदों की धज्जियां उड़ाते हुए मजदूरों के हाथों से फावड़ा छीनकर मशीनों से काम कराया गया। हद तो तब हो गई जब कागजों पर मजदूरों का नाम चढ़ाकर पूरी राशि गोल-मोल कर ली गई, जबकि धरातल पर काम करने वाले असली मजदूरों और मटेरियल सप्लायरों को आज भी भुगतान का इंतजार है। यह सीधे तौर पर गरीबों के पेट पर डाका डालने जैसा कृत्य है।

भ्रष्टाचार का रिटर्न वॉल गायब

इस पूरे खेल में जनपद के उपयंत्री प्रदीप उधाम की भूमिका सबसे संदिग्ध है। साहब के पास एक दर्जन पंचायतों का प्रभार है और चर्चा है कि उनके प्रभार वाली हर पंचायत में भ्रष्टाचार के रिकॉर्ड टूट रहे हैं। झतवा टोला में बने इस रपटे में न तो क्रॉस बैरियर है, न रिटर्न वॉल और न ही एप्रोच रोड पर मुरुम का भराव किया गया। तकनीकी मापदंडों को खूंटी पर टांगकर ऐसा ढांचा खड़ा किया गया है जो अगली एक बारिश भी झेल ले तो चमत्कार ही होगा। निर्माण के दौरान सूचना पटल (बोर्ड) का गायब होना ही इस बात का प्रमाण है कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। लागत, मद और कार्य अवधि की जानकारी छिपाना यह बताता है कि उपयंत्री और सरपंच-सचिव की जुगलबंदी ने भ्रष्टाचार को ढंकने के लिए हर हथकंडा अपनाया है।

केवल कागजों पर नारी शक्ति

पंचायत राज में महिला सशक्तिकरण की बात करना रक्सा पंचायत में बेमानी है। यहां सरपंच अंजना सिंह हैं, लेकिन उनकी हैसियत केवल हस्ताक्षर तक सीमित है। पंचायत का सारा मलाईदार कारोबार उनके पति हीरा सिंह संभालते हैं। शासन की मंशा थी कि महिलाएं आगे आएं, लेकिन यहाँ ऑफ रिकॉर्ड पुरुष ही सत्ता की बागडोर थामे हुए हैं और उनकी रजामंदी के बिना पत्ता भी नहीं हिलता।

धूल फांकते शिकायती बस्ते

हैरानी की बात यह है कि अफसरों की ड्योढ़ियों पर सैकड़ों फरियादी रोज नाक रगड़ते हैं, लेकिन जनपद से लेकर जिला मुख्यालय तक बैठे साहबों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती। प्रमाणित भ्रष्टाचार के मामलों में भी जब अधिकारी कुंडली मारकर बैठ जाएं, तो समझ लेना चाहिए कि मलाई की परत ऊपर तक जा रही है। मानपुर के इस रक्सा कांड ने स्पष्ट कर दिया है कि यहां सरकारी योजनाएं जनता के लिए नहीं, बल्कि सरपंच-सचिव और इंजीनियरों के जुगाड़ के लिए आती हैं। यदि उच्च स्तरीय जांच नहीं हुई, तो वह दिन दूर नहीं जब जनता का विश्वास इस तंत्र से पूरी तरह उठ जाएगा। अब देखना यह है कि मोहन सरकार के नुमाइंदे इन भ्रष्टाचार के खिलाड़ियों पर कार्रवाई करते हैं या फिर इन्हें संरक्षण देना ही नियति मान ली गई है।

पुरानी और नई टीम का जुगाड़ तंत्र

भ्रष्टाचार का यह सिलसिला कोई नया नहीं है। पूर्व सचिव चित्रा गुप्ता के कार्यकाल से शुरू हुआ यह खेल वर्तमान टीम तक बदस्तूर जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में विकास हुआ या नहीं, यह तो रपटे की टूटती ईंटें बता रही हैं, लेकिन सरपंच, सचिव और उपयंत्री की निजी संपत्तियों में जो विकास हुआ है, वह किसी से छिपा नहीं है।

इनका कहना है...

निर्माण मेरे कार्यकाल के दौरान हुआ था, निर्माण के दौरान गुणवत्ता की अनदेखी नहीं हुई है, पैसा पूरा नहीं निकला है, जब निर्माण कार्य चल रहा था, उसी दौरान मैं निलंबित हुई थी।

चित्रा गुप्ता
पूर्व सचिव ग्राम पंचायत रक्सा

कोतमा नगर में धूमधाम से मनाई गई महाराणा प्रताप की जयंती

क्षत्रिय समाज ने निकाली भव्य शोभायात्रा महाराणा प्रताप को किया नमन

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

वीरता त्याग और स्वाभिमान के प्रतीक महान योद्धा, मेवाड़ के महान योद्धा महाराणा प्रताप की जयंती कोतमा नगर के मंगल भवन में भव्य कार्यक्रम के माध्यम से धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम के उपरांत श्री राणा सांगा क्षत्रिय एकता समिति की ओर से कोतमा नगर में एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। शोभायात्रा चौपाटी से शुरू होकर रेलवे स्टेशन मार्ग, पुराने बस स्टैंड मार्ग से होते हुए गांधी चौक पर पहुंची, जहाँ शोभायात्रा का समापन किया गया। इस दौरान महाराणा प्रताप के जयकारों से नगर गूंज उठा और क्षत्रियों ने गांधी चौक पर महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य अतिथि और अध्यक्ष ने किए संबोधन

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह थे, जबकि कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ वीपीएस चौहान रहे। दोनों ने अपने संबोधन में क्षत्रिय समाज के जोश, एकता और सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। अध्यक्ष राम अवध सिंह ने कहा, क्षत्रिय समाज के लोगों में कार्य करने का जज्बा है और उन्हें अब एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है। आज हमारा समाज हासीए पर खड़ा है। क्षत्रिय समाज सदैव न्याय के साथ समाज के सभी वर्गों को लेकर चलने का कार्य किया है। हमें एक-दूसरे की मदद करते हुए क्षत्रिय समाज के कमजोर लोगों को उठाने की आवश्यकता है। इसके लिए हम सब मिलकर कार्य करेंगे। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ वीपीएस चौहान न कहा, देश को मुगलों के चंगुल से मुक्त कराना, न्यायप्रिय शासन चलाना, सभी वर्गों को साथ लेकर चलना या फिर धर्म और समाज की रक्षा के लिए अंगद के पांव की भांति डटे रहना यदि किसी ने किया है तो क्षत्रिय समाज के लोगों ने किया है। आज हमारे समाज को एकजुट रहने की जरूरत है और हर परिस्थितियों से मुकाबला करने के लिए तैयार रहना है।

बुजुर्गों और प्रतिभाशाली बच्चों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह और कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ वीपीएस चौहान ने क्षत्रिय समाज के बुजुर्गों व वरिष्ठ नागरिकों का शाल और माल्यार्पण कर सम्मान किया। इसके साथ ही समाज के उन बच्चों का भी सम्मान किया गया, जो विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री राणा सांगा क्षत्रिय एकता समिति के अंजनी सिंह, अमर सिंह, अनिमेष सिंह, नरेन्द्र सिंह, ओमकार सिंह, राजेश सिंह, दीपक सिंह, शिवम सिंह और तेजा सिंह की सराहनीय भूमिका रही। भव्य कार्यक्रम के आयोजन के लिए श्री राणा सांगा क्षत्रिय एकता समिति के सदस्यों की सभी उपस्थित लोगों ने प्रशंसा की और आभार प्रकट किया। शोभायात्रा में सभी ने लिया उत्साहपूर्ण हिस्सा। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर निकली भव्य शोभायात्रा में समाज के सभी वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गांधी चौराहा पर सभी ने महाराणा प्रताप के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया और उनके त्याग, साहस और स्वाभिभाव की याद ताजा की। इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल महाराणा प्रताप के वीरता भाव को याद किया गया, बल्कि क्षत्रिय समाज की एकता, सामाजिक जिम्मेदारी और भविष्य के प्रति दृढ़ संकल्प को भी मजबूत किया गया।

घरेलू गैस सिलेंडर का हो रहा व्यावसायिक उपयोग

भीड़ वाले क्षेत्र में हादसे की आशंका

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

जिला मुख्यालय सहित कोयलांचल क्षेत्र में कार्यवाही न होने की वजह से कमर्शियल उपयोग के लिए घरेलू गैस सिलेंडर का खुलेआम होटल, ढाबों एवं ठेलों में उपयोग किया जा रहा है। जिला मुख्यालय सहित कोतमा में व्हाइट रिफलिंग का कारोबार जोरों पर है। प्रशासन, पुलिस से लेकर खाद आपूर्ति विभाग की नाक के नीचे घरेलू गैस सिलेंडरों से छोटे गैस सिलेंडरों में गैस भरने का काम जारी है। इतना ही नहीं घरेलू गैस सिलेंडर का धड़ले से व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है जो कभी भी किसी बड़े खतरे का कारण बन सकता है। राजस्व की भी भारी क्षति हो रही है लेकिन जिम्मेदारों द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कोतमा नगर से लेकर कोयलांचल एवं ग्रामीण इलाके में अधिकतर होटल, मिठाई व चाय की दुकानों सहित ठेले मे बिक रहे खाद्य सामग्रियों की दुकानों में घरेलू गैस सिलेंडर का खुलेआम इस्तेमाल हो रहा है। बावजूद इसके ऐसे लोगों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हो रही। दूसरी ओर नियम यह है कि इस तरह के प्रतिष्ठानों पर घरेलू गैस की वजाय कामर्शियल सिलेंडरों का उपयोग किया जा सकता है। कई सालों से घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यवसायिक कामों में धड़ले से उपयोग किया जा रहा है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद बिजुरी, जिला - अनूपपुर (म.प्र.)
Phone / Fax No.: 07658264242. E-mail: cmobijuri@mpurban.gov.in,

क्र. 2218/न.पा./लो.नि./2026 — **ई-निविदा आमंत्रण सूचना** — बिजुरी, दिनांक 07/05/26

एतद् द्वारा पंजीकृत फर्म / ठेकेदार को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य हेतु निकाय द्वारा आयटम रेट आधारित ई-निविदाएं आमंत्रित की गई है।

क्र.	ई-निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7
1	2026_UAD_505369_1	Inviting Rate of Contract for Flex Materials for various events and programs at Municipal Council Bijuri for Year 2026-27	40.00 लाख	30000.00	5000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
2	2026_UAD_505292_1	Inviting Rate of Contractfor Construction Related Maintenance Materials at Municipal CouncilBijuri for Year 2026-27	90.00 लाख	67500.00	10000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
3	2026_UAD_505239_1	Inviting Rate of Contract forCleaning Materials at Municipal Council Bijuri for Year 2026-27	50.00 लाख	37500.00	5000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
4	2026_UAD_505295_1	Inviting Rate of Contract for Electrical Materials for all Electrical Maintenance work at Municipal Council Bijuri for Year 2026-27	90.00 लाख	67500.00	10000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
5	2026_UAD_505122_1	Inviting Rate of Contract for Handpump Materials for all Handpump Maintenance work at Municipal Council Bijuri for Year 2026-27	50.00 लाख	37500.00	5000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
6	2026_UAD_505289_1	Inviting Rate of Contract for Motor Pumps repair Works for all types of motor pumps available at Municipal Council Bijuri for Year 2026-27	40.00 लाख	30000.00	5000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
7	2026_UAD_505293_1	Inviting Rate of Contractfor Supplyof Various types of motor pumps for water supply work at Municipal Council Bijuri for Year 2026-27	50.00 लाख	37500.00	10000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
8	2026_UAD_505294_1	Inviting Rate of Contract for Tent Materials at Municipal Council Bijuri for Year 2026-27	40.00 लाख	30000.00	5000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
9	2026_UAD_505105_1	Inviting Rate of Contract for Water Purification Material at Municipal Council Bijuri for Year 2026-27	90.00 लाख	67500.00	10000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
10	2026_UAD_505113_1	Inviting Rate of Contract for Water Supply Materials for all Water Supply Maintenance work at Municipal Council Bijuri for Year 2026-27	90.00 लाख	67500.00	10000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)

1. निविदा प्रस्तुत करने संबंधी सभी जानकारी वेब साईट (https://mptenders.gov.in) में नि:शुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है । 2. बिड प्रस्तुतीकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी BID DATA SHEET व "KEY DATES" में देखी जा सकती है । 3. निविदा के किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन केवल बेबसाईट में किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् बिजुरी जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

करोड़ों का मुनाफा देने वाली अमलाई ओसीएम में श्रमिक प्यासे, कैंटीन में नहीं मिल रहा ठंडा शुद्ध

धनपुरी।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया अंतर्गत अमलाई ओसीएम, जो हर वर्ष करीब 15 लाख टन कोयला उत्पादन कर कंपनी को करोड़ों रुपए का लाभ दे रही है, वहीं दूसरी ओर यहां कार्यरत श्रमिक और कर्मचारी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान नजर आ रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच खदान से जुड़े कार्यालय और कैंटीन (जलपान गृह) में शुद्ध व ठंडे पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने से श्रमिकों में नाराजगी बढ़ रही है।जानकारी के अनुसार अमलाई ओसीएम कार्यालय परिसर और कैंटीन में आज तक आरओ वाटर एटीएम जैसी स्थायी सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई। वर्तमान में बाजार से मंगाए जाने वाले पानी के जार (केन) के भरोसे कर्मचारियों और श्रमिकों की प्यास बुझाई जा रही है। बताया जा रहा है कि प्रतिदिन 8 से 10 जार निजी सप्लायर से मंगाए जाते हैं, लेकिन समय पर सप्लाई नहीं होने और पानी ठंडा नहीं रहने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मजबूरी में कर्मचारी सामान्य गर्म पानी पीकर काम चला रहे हैं।कैंटीन संचालक भी परेशान, श्रमिकों की बढ़ी मुश्किलेंअमलाई ओसीएम की कैंटीन का संचालन निजी व्यक्ति द्वारा किया जा रहा है। यहां रोज बड़ी संख्या में श्रमिक और कर्मचारी भोजन व जलपान के लिए पहुंचते हैं। गर्मी में पानी की मांग अधिक

होने के बावजूद सीमित जार से व्यवस्था संभालना मुश्किल हो रहा है। कई बार पानी खत्म होने की स्थिति भी बन जाती है, जिससे कैंटीन संचालक भी परेशान नजर आते हैं।श्रमिकों का कहना है कि करोड़ों का उत्पादन देने वाली खदान में पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा का अभाव समझ से परे है। कैंटीन में पहले श्रमिकों की सुविधा के लिए एसी लगाया गया था, लेकिन वह वर्षों से बंद पड़ा है। लंच के समय श्रमिकों को कुछ पल राहत और सुकून भी नहीं मिल पा रहा।सुविधा घरों में भी पानी-सफाई का संकटखदान परिसर में बने सुविधा घरों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं बताई जा रही। पानी और साफ-सफाई के अभाव में कर्मचारी उनका उपयोग करने से बचते हैं। श्रमिकों का कहना है कि गर्मी के मौसम में स्वच्छ पेयजल और साफ सुविधा घर सबसे जरूरी आवश्यकता होती है, लेकिन अमलाई ओसीएम में इन व्यवस्थाओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा।पहले थी बेहतर व्यवस्था, अब जार के भरोसे सिस्टमकर्मचारियों ने बताया कि पूर्व सीएमडी सिंह साहब के कार्यकाल में श्रमिक कॉलोनी और कैंटीन को विशेष महत्व दिया गया था। उस समय कैंटीन में एसी सहित कई सुविधाएं उपलब्ध थीं और श्रमिकों के लिए बेहतर व्यवस्था रहती थी। अब स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है।श्रमिकों का कहना है कि निजी जार के पानी की शुद्धता पर भी सवाल उठते हैं। जितनी राशि प्रतिमाह जार सप्लाई पर खर्च की जा रही है, उतने में स्थायी आरओ वाटर एटीएम की व्यवस्था आसानी से की जा सकती है। खास बात यह है कि भूमिगत माइंस की कई खदानों में श्रमिकों के लिए ठंडे और शुद्ध पानी हेतु वाटर एटीएम लगाए गए हैं, लेकिन अमलाई ओसीएम में अब तक ऐसी सुविधा नहीं मिल पाई है।श्रमिकों ने की स्थायी व्यवस्था की मांगश्रमिकों और कर्मचारियों ने प्रबंधन से मांग की है कि गर्मी को देखते हुए कार्यालय, कैंटीन और खदान परिसर में तत्काल आरओ वाटर एटीएम लगाए जाएं, बंद पड़े एसी को चालू कराया जाए तथा सुविधा घरों में पानी और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रमिकों को राहत मिल सके।

खबर संक्षेप

बकहो के लिए अलग फीडर की मांग वर्षों से लंबित, कागजों में सिमटी कार्रवाई

अमलाई। नगर परिषद बकहो क्षेत्र में प्रस्तावित विद्युत नवीन 11 केव्ही फीडर स्थापित करने के लिए, मध्यप्रदेश क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, बुढ़ार द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) नगर परिषद बकहो को पत्र जारी किया गया है। पत्र में नियमानुसार कुल प्राक्कलन राशि का 5 प्रतिशत जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आगे की प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य शुरू किया जा सके।जानकारी के अनुसार नवीन 11केव्ही फीडर से संबंधित विद्युत व्यवस्था सुधार एवं अलग फीडर स्थापना के लिए विभाग द्वारा लगभग 64.50 लाख रुपये का प्राक्कलन तैयार किया गया है। यह प्राक्कलन नगर परिषद द्वारा भेजे गए प्रस्ताव और निर्माणाधीन कार्यों के आधार पर बनाया गया है। क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से मांग रही है कि बकहो नगर परिषद क्षेत्र के लिए अलग विद्युत फीडर स्थापित किया जाए, जिससे लगातार हो रही बिजली समस्याओं से राहत मिल सके। हालांकि नगर परिषद गठन के बाद से अब तक केवल प्रस्ताव तैयार करने और विभागीय पत्राचार तक ही कार्रवाई सीमित रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर परिषद क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं और इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को लेकर अब तक गंभीर रुचि नहीं दिखाई गई है।क्षेत्र में आए दिन लो वोल्टेज, अघोषित बिजली कटौती और बार-बार सप्लाई बाधित होने की समस्या बनी रहती है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ व्यापारियों और विद्यार्थियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है।बिजली विभाग के पत्र में कहा गया है कि नियमानुसार 5 प्रतिशत राशि जमा होने के बाद अग्रिम कार्रवाई करते हुए कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। अब लोगों की नजर नगर परिषद प्रशासन पर टिकी है कि राशि जमा कर प्रक्रिया को कितनी जल्दी आगे बढ़ाया जाता है।

समाजसेवा, रक्तदान, एवं मानवता की सेवा हेतु पुष्पेंद्र नामदेव को राज्यपाल ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की मध्य प्रदेश राज्य शाखा, भोपाल द्वारा विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य पाल मंगू भाई पटेल रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम अनूपपुर से ह्यूमैनिटी केयर फेमिली वेलफेयर एंड हेल्थ सोसायटी के संचालक पुष्पेंद्र नामदेव को मानव सेवा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। पुष्पेंद्र कुमार नामदेव द्वारा लंबे समय से मानवता की सेवा, समाज सेवा, जरूरतमंद लोगों की सहायता तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों की सराहना की। संस्था गरीब बेसहारे, लोगों की सेवा के साथ साथ समय मानव सेवा से जुड़े विभिन्न सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभाती रही है। इस सम्मान पर पुष्पेंद्र नामदेव ने कहा ने कि यह सम्मान पूरी टीम और समाज के सहयोग का परिणाम है तथा आगे भी सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

दान में मिले शव फ्रीज़र और वाहन की देखभाल में लापरवाही, लोगों को उठानी पड़ रही परेशान, नगर परिषद बकहो की जिम्मेदारी पर उठे सवाल

अमलाई।

नगर परिषद बकहो क्षेत्र में समाजसेवियों द्वारा दान में उपलब्ध कराए गए शव फ्रीज़र और शव वाहन की देखभाल नहीं होने से आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुख की घड़ी में भी लोगों को सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, जबकि इन संसाधनों की पूरी जिम्मेदारी नगर परिषद के पास है। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के नागरिकों की सुविधा और मानवता के नाते समाजसेवियों ने नगर परिषद को शव फ्रीज़र और शव वाहन दान में उपलब्ध कराया था ताकि जरूरत पड़ने पर गरीब और जरूरतमंद परिवारों को राहत मिल सके। लेकिन देखरेख के अभाव में शव फ्रीज़र और वाहन खराब हालत में पड़ा हुआ है, जिससे शव वाहन और फ्रीजर समय पर उपलब्ध नहीं हो पाता। जिसके कारण लोगों को निजी वाहन

का सहारा लेना पड़ता है।स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नगर परिषद प्रशासन ने इन सुविधाओं के रखरखाव को गंभीरता से नहीं लिया। नियमित मरम्मत, सफाई और संचालन की व्यवस्था नहीं होने के कारण उपकरण बेकार होते जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब सुविधा दान में मिली थी तो उसका सही उपयोग और रखरखाव करना नगर परिषद की नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी थी।स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर परिषद के अधिकारी कर्मचारी घर से ही परिषद चलाने में व्यस्त हैं। अधिकारी कभी-कभार परिषद कार्यालय पहुंचते भी हैं तो केवल औपचारिकता निभाकर लौट जाते हैं। क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं और जनता की परेशानियों से उनका कोई लेना-देना नहीं रह गया है। लोगों का कहना है कि परिषद में मनमाना रवैया हावी है और जनहित के मुद्दों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा।क्षेत्र के नागरिकों ने मांग की है कि नगर परिषद तत्काल शव फ्रीज़र और शव वाहन की स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय कर नियमित निगरानी की व्यवस्था बनाई जाए, ताकि भविष्य में लोगों को ऐसी परेशानियों का सामना न करना पड़े।नगर परिषद की इस लापरवाही और उदासीन रवैये से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

अमलाई थाना पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न

अमलाई। थाना क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा मामला ओपीएम कॉलोनी निवासी पुष्पेंद्र सिंह की बुलेट मोटरसाइकिल चोरी का है, जिसमें पीड़ित ने थाना पुलिस की लापरवाही और क्षेत्र में कमजोर गश्त व्यवस्था पर नाराजगी जताई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित पुष्पेंद्र सिंह, जो एक निजी बैंक में सुरक्षा गार्ड के पद पर कार्यरत हैं, 5 मई की रात ड्यूटी से लौटकर अपनी बुलेट मोटरसाइकिल क्रमांक MP-17-MW-1969 को घर के बाहर बाउंड्री में शेड के नीचे खड़ी कर सो गए थे। सुबह उठने पर वाहन गायब मिला। काफी खोजबीन के बाद भी मोटरसाइकिल का कोई सुराग नहीं मिला।घटना के बाद 6 मई को अमलाई थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं होने के बावजूद पुलिस गश्त प्रभावी नहीं है। लोगों का कहना है कि रात के समय पुलिस की मौजूदगी नाममात्र रहती है, जिससे चोरों के हौसले बुलंद हैं।मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(B) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। हालांकि, क्षेत्रवासियों का कहना है कि केवल मामला दर्ज कर लेने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि पुलिस को सक्रिय कार्रवाई और रात्रि गश्त बढ़ाने की जरूरत है।स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि अमलाई थाना क्षेत्र में चोरी, अवैध गतिविधियों और संदिग्ध लोगों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, लेकिन पुलिस नियंत्रण स्थापित करने में विफल दिखाई दे रही है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से जल्द चोरी का खुलासा करने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

तालाब में किया गया साफ सफाई का कार्य

शहडोल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य निरंतर जन सहयोग से किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल बचाने, संरक्षित करने एवं जल का महत्व बताने हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान द्वितीय चरण के अंतर्गत जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, जिला शहडोल, विकासखंड गोहपारू की नवांकुर संस्था वीर सावरकर सेवा समिति के सदस्यों द्वारा ग्राम देवरी 2 के तालाब में जल संरक्षण हेतु साफ सफाई का कार्य किया गया। उक्त साफ सफाई कार्य में नवांकुर संस्था के अध्यक्ष अशोक अहिरवार, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति देवदहा,सी एम सी एल डी पी के छात्र-छात्राएं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए जनमानस को जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया ।

हेलमेटधारी शातिरों ने बुजुर्ग को दिया झांसा, खाते से उड़ाए 80 हजार

बुढ़ार में एटीएम ठग गिरोह का तांडव

शहडोल।

जिले में बेखौफ घूम रहे साइबर ठगों ने अब बुजुर्गों को अपना आसान निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ताजा सनसनीखेज वारदात बुढ़ार थाना क्षेत्र की है, जहां भारत पेट्रोल पंप के सामने स्थित एसबीआई एटीएम में मदद के बहाने घुसे हेलमेट धारी लुटेरों ने एक 65 वर्षीय बुजुर्ग की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ कर दिया। ठगों ने न केवल कार्ड बदला, बल्कि पलक झपकते ही खाते से 80 हजार रुपये पार कर दिए।

मदद का मुखौटा, लूट की नीयत

जानकारी के अनुसार, संतोष श्रीवास्तव उम्र 65 वर्ष अपने बेटे अंकित के खाते से पैसे निकालने एटीएम पहुंचे थे। उन्होंने जैसे ही 13,500 रुपये निकाले, वहां पहले से घात लगाए बैठे हेलमेट पहने दो अज्ञात युवकों ने उन्हें अपनी बातों के जाल में उलझा लिया। शातिर ठगों ने बड़े ही शातिराना अंदाज में मदद करने का नाटक किया और हाथ की सफाई दिखाते हुए बुजुर्ग का असली एटीएम कार्ड बदलकर उन्हें दूसरा फर्जी कार्ड थमा दिया।

किस्तों में साफ हुई रकम

बुजुर्ग को ठगी का अहसास तब हुआ जब घर लौटने के बाद उनके मोबाइल पर पैसों की निकासी के मैसेज आने लगे। जब तक परिवार कुछ समझ पाता, तब तक शातिर ठग अलग-अलग किस्तों में कुल 80 हजार रुपये उड़ा चुके थे। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से पीड़ित परिवार सन्न रह गया और तत्काल बुढ़ार थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई गई।

सीसीटीवी के भरोसे पुलिस

बुढ़ार पुलिस ने मामला दर्ज कर एटीएम और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों की पहचान जल्द कर ली जाएगी। पुलिस ने क्षेत्र के नागरिकों से पुरजोर अपील की है कि एटीएम के अंदर किसी भी अनजान व्यक्ति को प्रवेश न करने दें। मदद के नाम पर आए अजनबियों से सावधान रहें। अपना पिन किसी से साझा न करें। सवाल यह है कि सार्वजनिक स्थलों पर लगे एटीएम में सुरक्षा गार्डों की कमी और हेलमेट पहनकर अंदर घुसने वाले संदिग्धों पर लगाम कब लगेगी।

इनका कहना है...

एक बुजुर्ग का एटीएम बदलकर कुछ बदमाशो ने 80 हजार रुपये आहरण कर लिए ,इस मामले की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले की पड़ताल की जा रही है।

विनय सिंह गहरवार
थाना प्रभारी, बुढ़ार

कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को दायित्वों का समय पूर्व निर्वहन करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

कलेक्टर की अध्यक्षता में उर्स कि तैयारी संबंधी बैठक संपन्न

उमरिया।

हजरत नौगजा शाहदाता रहमतुल्ला अलैह चंदिया में रात्रिकालीन उर्स का आयोजन 15, 16 एवं 17 मई 2026 को किया जाना है । आयोजित रात्रिकालीन हजरत नौगजा शाहदाता रहमतुल्ला अलैह चंदिया उर्स की पूर्व तैयारी बैठक कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में नगर परिषद चंदिया में संपन्न हुई। बैठक में यातायात व्यवस्था , पार्किग व्यवस्था , स्वच्छ पेयजल एवं अग्निशमन व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था,बिजली व्यवस्था, मार्ग का समतलीकरण, नौगजा बाबा मजार मे श्रध्दालुओ के आवागमन एवं दर्शन व्यवस्था, बैरीकेटिंग व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था आदि पर विस्तार से चर्चा की गई।

यातायात की समीक्षा के दौरान बताया गया कि पार्किग व्यवस्था के लिए 6 स्थानों को चिन्हित किया गया है, जहां पर समुचित रूप से वाहनों की पार्किग की जा सकेगी, ताकि उर्स तक आने वाले लोगो को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नही करना पडे । कलेक्टर ने बाजार व्यवस्था पर कहा कि दुकानों कि इस तरह से लगवाया जाए, जिससे आवागमन में परेशानी का सामना नही करना पडे । उर्स मेला स्थल पर मजार तक पहुंचने वाले लोगो के लिए प्रवेश एवं निकासी अलग अलग बनाएं जाए। उर्स मेला स्थल पर जहां पर कव्वाली का कार्यक्रम आयोजित होना है वहां मंच के सामने पीडब्ल्यूडी विभाग को बैरीकेटिंग उपलब्ध कराने के निर्देश कलेक्टर व्दारा दिए गए ।

सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 4 वॉच टॉवर के माध्यम से पुलिस कर्मियों व्दारा उर्स मेला स्थल पर नजर जाएगी, ताकि लोगो को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नही करना पडे।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि मेला स्थल पर जो झूले लगने है, उन्हे परमीशन देने से पहले झूले कि स्थिति का निरीक्षण करें जिससे किसी भी प्रकार की अनहोनी घटित नही हो सके । आपने कहा कि पीडब्ल्यूडी एवं एमपीईबी की एनओसी के उपरांत ही झूले लगने की परमीशन जारी की जाए । उन्होने कहा कि सर्विलेंस कैमरा के माध्यम से मानीटरिंग की जाए । उन्होने कहा कि पार्किग स्थल, मजार के पास तथा मंच के चारो तरफ कैमरे लगाए जाए। भीड़ के दौरान चोरी की घटना को रोकने के लिए वालेटिंयर पुलिस के साथ रहे। कलेक्टर ने कहा कि उर्स मेला स्थल पर एंबुलेंस की व्यवस्था कि जाए तथा उसमें डॉक्टर की ड्युटी लगाई जाए, ताकि आवश्यकता पडऩे पर लोगो को त्वरित स्वास्थ्य लाभ उपलब्ध कराया जा सके । उन्होने कथली नदी के किनारे बैरीकेटिंग की व्यवस्था करने के निर्देश पीडब्ल्यूडी विभाग को दिए । उन्होने कहा कि मेले में शुध्द पेयजल की व्यवस्था की जाए । इस दौरान बताया गया कि मेला के दौरान आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए तीन फायर बिग्रेड की व्यवस्था की गई है।

बैठक उपरांत कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते हुए पार्किग स्थल, मंच व्यवस्था, प्रवेश एवं निकासी व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था का अवलोकन किया तथा अधिकारियों से कहा है कि जिन अधिकारियों को जो दायित्वि सौपे गये है , उसका निर्वहन समय पूर्व करना सुनिश्चित करें ताकि उर्स के दौरान आम जनों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना नही करना पड़े ।

खबर संक्षेप

समाजसेवा, रक्तदान, एवं मानवता की सेवा हेतु पुष्पेंद्र नामदेव को राज्यपाल ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की मध्य प्रदेश राज्य शाखा, भोपाल द्वारा विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य पाल मंगू भाई पटेल रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम अनूपपुर से ह्यूमैनिटी केयर फेमिली वेलफेयर एंड हेल्थ सोसायटी के संचालक पुष्पेंद्र नामदेव को मानव सेवा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। पुष्पेंद्र कुमार नामदेव द्वारा लंबे समय से मानवता की सेवा, समाज सेवा, जरूरतमंद लोगों की सहायता तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों की सराहना की। संस्था गरीब बेसहारे, लोगों की सेवा के साथ साथ समय मानव सेवा से जुड़े विभिन्न सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभाती रही है। इस सम्मान पर पुष्पेंद्र नामदेव ने कहा ने कि यह सम्मान पूरी टीम और समाज के सहयोग का परिणाम है तथा आगे भी सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

श्रीमती भानु देवी पटेरिया के देवलोकगमन पर हरिभूमि परिवार ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। संस्कारधानी जबलपुर में पत्रकारिता और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार, दैनिक हरिभूमि के यूनिट हेड तथा राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के प्रदेश संगठन महासचिव अनुरोध पटेरिया की पूज्य माताजी श्रीमती भानु देवी पटेरिया का 92 वर्ष की आयु में देवलोकगमन हो गया। उनके निधन से पत्रकारिता जगत, सामाजिक क्षेत्र एवं पटेरिया परिवार में शोक की लहर व्याप्त है। श्रीमती भानु देवी पटेरिया धार्मिक, सेवाभावी एवं अत्यंत सरल व्यक्तित्व की धनी थीं। उन्होंने जीवन पर्यंत सेवा, साधना और धर्म-कर्म के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई। अपने स्नेह, संस्कार और सामाजिक चेतना से उन्होंने परिवार और समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। पवित्र जेठ मास के पुण्य दिवस पर उनका देवलोकगमन होना पूरे परिवार और आत्मीयजनों के लिए अत्यंत भावुक क्षण बन गया। हरिभूमि परिवार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर एवं मोक्ष प्रदायिनी माँ नर्मदा से प्रार्थना की। हरिभूमि परिवार ने कहा कि श्रीमती भानु देवी पटेरिया की मधुर स्मृतियाँ सदैव जीवंत रहेंगी और उनका सेवामय जीवन समाज के लिए प्रेरणा बना रहेगा। श्रीमती पटेरिया पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं तथा जबलपुर के निजी अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। उनका अंतिम संस्कार उनकी कर्मभूमि पन्ना स्थित प्रसिद्ध युगल किशोर सरकार मंदिर परिसर में संपन्न हुआ। वे अपने पीछे पुत्र अरुण पटेरिया, अनिल पटेरिया, अनुरोध पटेरिया एवं पुत्री सुश्री निशा अवस्थी सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। इस दुःखद अवसर पर हरिभूमि परिवार सहित प्रदेश, संभाग एवं जिलों के अनेक पत्रकारों ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवार को इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर क्रिटिकल केयर यूनिट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आईसीयू कक्ष, नेत्र कक्ष, बेड की उपलब्धता एवं चिकित्सा उपकरणों की स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर पंचोली ने स्वास्थ्य अधिकारियों से मरीजों को बेहतर उपचार एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने तथा मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

अब नहीं सहेंगे शोषण!

रामपुर-बटुरा खदान से उठी हुंकार किसानों ने छेड़ी निर्णायक लड़ाई

रामपुर-बटुरा खुली खदान परियोजना से प्रभावित किसानों और ग्रामीणों ने एक बार फिर संघर्ष का बिगुल फूंक दिया है। ग्राम पंचायत खांड़ा में आयोजित बैठक में क्षेत्रभर के 12 पंचायतों के प्रतिनिधियों, किसानों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर शोषण, अवैध उत्खनन, विस्थापन, बेरोजगारी और वन्य जीवों के आतंक के खिलाफ सामूहिक आंदोलन का संकल्प लिया। सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने साफ कहा कि अब चुप्पी नहीं, बल्कि सड़क से लेकर शासन तक लड़ाई लड़ी जाएगी।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

एसईसीएल प्रभावित क्षेत्र में वर्षों से जमा आक्रोश अब आंदोलन का रूप लेने लगा है। खदान परियोजनाओं, निजी कंपनियों और प्रशासनिक उदासीनता से परेशान ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत खाड़ा में आयोजित बैठक में खुलकर अपनी पीड़ा रखी। बैठक में केवल रामपुर-बटुरा खुली खदान परियोजना ही नहीं, बल्कि अवैध उत्खनन, हाथी-भालू के हमलों से हो रही मौतें, सिंचाई संकट, पेयजल की समस्या, स्थानीय बेरोजगारी और आदिवासियों के अधिकारों के हनन जैसे मुद्दों पर तीखी चर्चा हुई। सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने कहा कि क्षेत्र की जल, जंगल और जमीन को लगातार लूटा जा रहा है। कई कंपनियां यहां की प्राकृतिक संपदा का दोहन कर रही हैं, लेकिन स्थानीय लोगों को उसका लाभ नहीं मिल रहा। बाहर से आए लोग रोजगार पा रहे हैं जबकि स्थानीय युवा पलायन को मजबूर हैं। बैठक में तय हुआ कि अब गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा और संघर्ष को जनआंदोलन का रूप दिया जाएगा।

शांत बैठे रहे तो सब शांत हो गया-भूपेश शर्मा

बैठक को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्र के लोग चुप बैठे रहे, जिसका फायदा कंपनियों और जिम्मेदार अधिकारियों ने उठाया। उन्होंने कहा कि अब हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि गांवों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। खदानों से धूल और प्रदूषण बढ़ रहा है, जंगल खत्म हो रहे हैं और किसान अपनी जमीन बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शर्मा ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन उग्र रूप लेगा।

अवैध उत्खनन और कोयला घोटाले पर भी उठी आवाज

बैठक में सबसे गंभीर आरोप रामपुर खुली खदान परियोजना से निकलने वाले कोयले को लेकर लगाए गए। वक्ताओं ने दावा किया कि क्षेत्र से निकलने वाला उच्च गुणवत्ता का कोयला "दो नंबर" के खेल में बाहर भेजा जा रहा है, जिससे सीधे तौर पर भारत सरकार को नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि जिम्मेदार अधिकारी इस पूरे खेल में मौन हैं। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध उत्खनन और कोयला परिवहन की निगरानी अब जनता खुद करेगी।

वन्य जीवों का आतंक, किसान दहशत में

बैठक में हाथी और भालू के लगातार बढ़ते हमलों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। ग्रामीणों ने कहा कि खदानों और जंगल कटाई के कारण वन्य जीव गांवों की ओर आ रहे हैं, जिससे निर्दोष लोगों की जान जा रही है। कई परिवार उजड़ चुके हैं लेकिन प्रशासन केवल मुआवजे की औपचारिकता निभा रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि सुरक्षा के नाम पर कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। बैठक में वन्य जीव प्रभावित परिवारों के लिए विशेष राहत और सुरक्षा योजना की मांग की गई।

स्थानीय युवा बेरोजगार, बाहरी लोगों का कब्जा

ग्रामीणों ने कंपनियों पर आरोप लगाया कि क्षेत्र की जमीन और संसाधनों का इस्तेमाल तो यहां हो रहा है, लेकिन रोजगार बाहरी लोगों को दिया जा रहा है। स्थानीय शिक्षित और अशिक्षित युवा बेरोजगारी के कारण पलायन कर रहे हैं। आदिवासी समाज को सबसे ज्यादा नुकसान झेलना पड़ रहा है। वक्ताओं ने कहा कि कंपनियां ॰ और रोजगार के बड़े-बड़े दावे करती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थानीय लोगों को केवल आश्वासन मिलता है। अब रोजगार में स्थानीयों को प्राथमिकता दिलाने के लिए संघर्ष तेज किया जाएगा।

17 मई को बाकी में होगी निर्णायक महापंचायत

बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 17 मई को बाक़ी में एक विशाल जनसभा और महापंचायत आयोजित की जाएगी, जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे। आंदोलनकारियों ने कहा कि यह लड़ाई केवल एक पंचायत या एक कंपनी के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरे संभाग में हो रहे शोषण, दमन और अन्याय के खिलाफ है। गांव-गांव में जनजागरण अभियान शुरू कर दिया गया है। वक्ताओं ने प्रशासन और प्रबंधन को चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं हुआ तो बड़ा जनआंदोलन खड़ा होगा।

बैठक में रहे प्रमुख लोग उपस्थित

बैठक में पूर्व एसडीएम एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रमेश सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शांति मनमोहन चौधरी, वन समिति सभापति चंद्रकुमार तिवारी, सांसद प्रतिनिधि राजकमल मिश्रा, किसान नेता आदित्य त्रिपाठी, ओमप्रकाश द्विवेदी पत्रकार, सरपंच-उपसरपंच सहित 12 पंचायतों के जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके अलावा अखिलेश त्रिपाठी, संदीप द्विवेदी, त्रिवेणी राव, अमित शर्मा, नीलू राव, शिवप्रसाद चौधरी समेत सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लेकर संघर्ष का संकल्प दोहराया।

प्रत्येक रविवार को लगने वाले निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में उमड़ी मरीजों की भीड़

120 मरीजों ने कराया पंजीयन, विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी स्वास्थ्य सेवाएं

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय में प्रत्येक रविवार की भांति इस रविवार भी निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के ग्रामीणों, नगरवासियों एवं दूर-दराज से आए मरीजों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श का लाभ उठाया। शिविर में कुल 120 मरीजों का पंजीयन किया गया, जिससे लोगों में स्वास्थ्य जागरूकता एवं चिकित्सा सेवाओं के प्रति बढ़ती विश्वास भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न रोगों से संबंधित जांच एवं उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। विशेष रूप से शुगर एवं ब्लड प्रेशर जांच शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। चिकित्सकों द्वारा मरीजों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम एवं समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी गई। शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. योगेंद्र सिंह परिहार, डॉ. सुभाष सिंह, डॉ. एस.के. तिवारी एवं डॉ. शकुंतला लाहिड़ी ने अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया। वहीं फार्मासिस्ट देवेश पटेल द्वारा मरीजों को दवाइयों का वितरण किया गया। लैब टेक्नीशियन राजेश कुमार तिवारी ने विभिन्न जांच प्रक्रियाओं का संचालन किया। शिविर के सफल संचालन में सुखनंदन सिंह, ईश्वरी पंड्राम एवं दीपक चंद्रवंशी का विशेष सहयोग रहा। आयोजन समिति ने बताया कि प्रत्येक रविवार को इस प्रकार के निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है, ताकि समय रहते रोगों की पहचान कर उपचार संभव हो सके। क्षेत्रवासियों ने चिकित्सालय प्रबंधन एवं चिकित्सकों के इस सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर समाज के लिए अत्यंत उपयोगी एवं जनकल्याणकारी सिद्ध हो रहे हैं।

अवार्ड की गई एक करोड़ चालीस लाख पांच हजार एक सौ बाईस रूपयें की राशि

नेशनल लोक अदालत का हुआ सफल आयोजन

नेशनल लोक अदालत में बनी मिसाल, जेल पहुंचे आरोपी ने किया आत्मसमर्पण

राजीनामे से हुआ विवाद का समाधान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर श्रीमती माया विश्वलाल के मार्गदर्शन में 09 मई को जिला एवं सत्र न्यायालय अनूपपुर एवं तहसील सिविल न्यायालय कोतमा/राजेन्द्रग्राम में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला न्यायालय अनूपपुर में आयोजित नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल के द्वारा, माँ सरस्वती जी के चित्र में पुष्पमाला अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मनोज कुमार लढ़िया, प्रथम जिला न्यायाधीश/संयोजक नेशनल लोक अदालत नरेन्द्र पटेल, तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीकृष्ण डागलिया, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी श्रीमती चौनवती ताराम, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रावेन्द्र कुमार सोनी, सुश्री सुधा पाण्डेय न्यायिक मजिस्ट्रेट, बॉबी सोनकर न्यायिक मजिस्ट्रेट, सुश्री सृष्टि साहू न्यायिक मजिस्ट्रेट, अर्पण चौधरी प्रषिक्षु जज, जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल, जिला अधिवक्ता बार संघ से अध्यक्ष संतोष सिंह परिहार, सचिव राम कुमार राठौर, शासकीय अभिभाषक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा, लीगल एड डिफेंस काउंसेल संतदास नापित, जिला अधिवक्ता संघ के समस्त अधिवक्तागण खण्डपीठ के सुलहकर्ता सदस्यगण, पैरालीगल वालेंटियर्स, पुलिस बल, बैंक, नगर पालिका, विद्युत विभाग, जिला न्यायालय एवं जिला प्राधिकरण अनूपपर के समस्त अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहें। उक्त नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु जिले में कुल 14 खण्डपीठों का गठन किया गया। नेशनल लोक अदालत में आपराधिक 115, चैक बाउंस 30, वैवाहिक प्रकरण 11, विद्युत प्रकरण 65, अन्य प्रकरण 430 एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरण 178, इस प्रकार कुल 899 प्रकरणों का निराकरण किया गया। जिसमें कुल राशि 1,40,05,122 (एक करोड़ चालीस लाख पांच हजार एक सौ बाईस रूपयें) की राशि अवार्ड की गई।

अनूपपुर जिले की नेशनल लोक अदालत में एक ऐसा मामला सामने आया जिसने त्वरित न्याय और आपसी समझौते की नई मिसाल पेश की। विद्युत प्रकरण से जुड़े मामले में जहां पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तारी वारंट के तहत जिला जेल भेजा गया था, वहीं शनिवार को तीसरे आरोपी ने स्वयं न्यायालय पहुंचकर आत्मसमर्पण किया और राजीनामे के माध्यम से पूरे मामले का समाधान हो गया। जानकारी के अनुसार, 02 मई 2026 को न्यायाधी सुश्री सुधा पाण्डेय के न्यायालय द्वारा विद्युत प्रकरण में आरोपी मनोज कुमार राठौर एवं दीपक गुप्ता को गिरफ्तारी वारंट के आधार पर जिला जेल अनूपपुर भेजा गया था। इसके बाद नेशनल लोक अदालत में मामले ने सकारात्मक मोड़ लिया, जब प्रकरण के अन्य आरोपी एहसान अली पिता वाजिद अली, उम्र 60 वर्ष, निवासी अनूपपुर ने स्वयं 09 मई को न्यायालय में उपस्थित होकर आत्मसमर्पण किया। नेशनल लोक अदालत खंडपीठ क्रमांक-03 के विशेष प्रकरण क्रमांक 144/2026 में 31,069 रुपये की राशि जमा कर आपसी राजीनामे के आधार पर विवाद का निराकरण किया गया। इस पहल को न्यायालय परिसर में एक प्रेरणादायी सफलता की कहानी के रूप में देखा जा रहा है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अदालत का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि त्वरित न्याय के साथ समाज में सौहार्द और समझौते की भावना को बढ़ावा देना भी है। लोक अदालत के माध्यम से हुए इस समाधान ने यह संदेश दिया कि संवाद और सहमति से बड़े से बड़े विवाद भी समाप्त किए जा सकते हैं।विभा चतुर्वेदी बनाम संदीप चतुर्वेदी प्रकरण क्रमांक 92/2025 को भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता धारा 144 का प्रकरण दिनांक 28/06/2025 को प्रस्तुत किया गया। जिसका निराकरण आपसी समझौते से दिनांक 09 मई को नेषनल लोक अदालत के माध्यम से निराकरण हुआ। हाल निवासी पी0आर0टी0 कॉलेज अनूपपुर आवेदिका, अनावेदक निवासी पिपरहा पोस्ट तिवनी तहसील मनगवां जिला रीवा मध्यप्रदेष। वर्षा रानी सिसोदिया वगै0 बनाम नोखे लाल पिता रामकृष्ण उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम रेल्वे कॉलोनी सिद्ध बाबा के पास ब्लॉक नंबर 83/3 अनूपपुर प्रकरण क्रमांक- 52/2026 बीएनएसएस 144 के तहत दिनांक 26/03/2026 को प्रस्तुत किया गया। जिसका निराकरण 09 मई को नेशनल लोक अदालत में किया गया। पूजा गुप्ता उम्र 30 वर्ष पति अनुज गुप्ता निवासी मकान नंबर 326/1 डॉक्टर राम मनोहर लोहिया वार्ड नंबर 30 महादेवा सतना सरकारी स्कूल के पास रघुराजनगर जिला सतना मध्यप्रदेष 11/10/2025 को दोनों अलग-अलग रहने लगे थे। 09 मई को दोनों पक्षों को उनके अधिवक्ता और न्यायाधीष के समझाईस से दोनों के मध्य राजीनामा होने से दोनों खुषी-खुषी घर चले गये। विवाद का निराकरण किया गया है।

तीन बैठकों में अनुपस्थित पदाधिकारियों पर होगी कार्यवाही-गौरव सिरोठिया

भाजपा अनूपपुर की जिला बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर जिला कार्यालय में 10 मई को जिला बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भाजपा के संभागीय प्रभारी गौरव सिरोठिया, जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, उमरिया जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं जिला प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी दिलीप पांडे, जिला महामंत्री श्याम नारायण शुक्ला तथा सिद्धार्थ शिव सिंह की उपस्थिति रही। बैठक में आगामी जिला प्रशिक्षण वर्ग सहित संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा संभागीय प्रभारी गौरव सिरोठिया ने कहा कि संगठन द्वारा तय कार्यक्रमों का सभी पदाधिकारियों को अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह की 1 से 7 तारीख तक मंडल बैठक, 7 से 10 तारीख तक जिला बैठक तथा इसके बाद शक्ति केंद्र और बूथ की बैठकें नियमित रूप से होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अनूपपुर में भाजपा संगठन मजबूत है और कार्यकर्ता निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं, लेकिन जो पदाधिकारी बैठकों में लगातार अनुपस्थित रहते हैं, उन पर निगरानी रखी जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि कोई पदाधिकारी तीन बैठकों में अनुपस्थित रहता है तो उसे पद से मुक्त किया जाए। उन्होंने मंडल अध्यक्षों को प्राथमिकता दिए जाने पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी कार्य को मंडल अध्यक्ष के माध्यम से ही आगे बढ़ाया जाना चाहिए। भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने बैठक में संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी जिम्मेदार पदाधिकारी अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन करें और संगठन की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करें। उन्होंने कहा कि सभी मोर्चों के जिला अध्यक्षों को अपने-अपने मंडलों में नियमित प्रवास करना चाहिए तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करना चाहिए, ताकि योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंच सके। उमरिया जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं जिला प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी दिलीप पांडे ने कहा कि 19 एवं 20 मई को अमरकंटक में आयोजित होने वाले दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण वर्ग में अपेक्षित सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें तथा समय पर पंजीयन कराएं। उन्होंने प्रशिक्षण वर्ग को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए सभी से अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की। बैठक में जिला पदाधिकारी, मोर्चों के जिला अध्यक्ष, सभी मंडल अध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी उपस्थित रहे। यह जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह ने दी।

जीडीसी परीक्षा होगी जल्द

अनूपपुर। रेलवे जोन मुख्यालय बिलासपुर के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के उपस्थित में वर्ष 2026 की प्रथम जोनल पीएनएम बैठक महाप्रबंधक सभागार में 06 व 07 मई को आयोजित हुआ, युवा रेल कर्मचारियों की बहु प्रतीक्षित मांग वर्ष 2023 की परीक्षा आयटम क्रमांक 15 में व्यापक चर्चा हुई जिस पर प्रधान मुख्य कार्मिक ने बताया, प्रशासन ने वर्ष 2023 की परीक्षा को रद्द करने हेतु रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेज दिया था, परंतु रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण के हस्तक्षेप के उपरांत, महाप्रबंधक बिलासपुर तरुण प्रकाश के निर्देश पर रेल प्रशासन को अपना जीडीसी अधिसूचना रद्द करने का प्रस्ताव लिखित में वापस लेना पड़ा, मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के साथ जोनल पीएनएम बैठक में रेल प्रशासन द्वारा बताया गया, एग्जाम कंडक्टिंग एजेंसी चंडीगढ़ आरआरबी द्वारा तय कर लिया गया है तथा 31 मई से पहले, मजदूर कांग्रेस के साथ बैठक कर वर्ष 2023 की रुकी हुई जीडीसी परीक्षा हेतु अधिसूचना जल्द जारी होगा।